

2/1/29

## पाठ-२-दादी माँ

प्र.१) नरक शब्द:-

- |                 |               |
|-----------------|---------------|
| १) कठिनाई       | १२) मूर्ति    |
| २) शुभविचक्र    | १३) मृत्यु    |
| ३) धुँधली       | १४) आधुन      |
| ४) क्वार        | १५) चारपाई    |
| ५) विचित्र      | १६) संदूक     |
| ६) गंधपूर्ण     | १७) शापभ्रष्ट |
| ७) शिश्चड़ी     | १८) धिनौनी    |
| ८) गुड़-मिश्रित |               |
| ९) विलंब        |               |
| १०) आँचल        |               |
| ११) आपत्ति      |               |

प्र०. २) शब्दार्थ :-

- १) कठिनाई - मुश्किल, परेशानी
- २) अनमान - उदास, दुखी
- ३) शुभचिंतक - भला चाहने वाला
- ४) सूचना - जानकारी
- ५) शीत - ठंड
- ६) स्वच्छ - साफ
- ७) छुँछली - अस्पष्ट
- ८) क्वार - हिंदी कैलेंडर का एक महिना
- ९) गंध - महक
- १०) जलशय - सरोवर, तालाब



प्र. 2) प्रश्नों के उत्तर लिखो।

9) लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की किन-किन बातों की याद आ जाती है?

उत्तर- लेखक को अपनी दादी माँ के साथ-साथ गाँव घर और परिवार की अनेक बातें याद आती हैं। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं।

- i) क्वार के दिनों में जलाशय के जगहों पर पानी में कूदकर नहाना।
- ii) अषाढ़ में जामुन, अगहन में चिबड़ा-गुड़, चैत में लाई तथा गुड़ खाड़ा।
- iii) बिमार होने पर दादी की स्नेहपूर्ण देखभाल।
- iv) मुसिबत के दिनों में पिताजी की सांत्वना देना।

2) दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई थी?

उत्तर- दादा की मृत्यु के बाद कपटी दोस्तों की बाढ़ सी आ गई। उनकी बनावटी शुभचिंता को घर के लोग समझ नहीं सके। नतीजा यह हुआ कि घर की आर्थिक स्थिति डौंवाड़ोल हो गई। दादा के श्रद्ध में भी दादी माँ के मना करने के बावजूद लेखक के पिताजी ने अतुल संपत्ति व्यर्थ की। यह संपत्ति घर की नहीं थी, कर्ज में ली गई थी। इन गलतियों से घर की आर्थिक स्थिति खराब हो गई।



3) राक्षी की चाची दादी माँ को क्या आशीर्ष दे रही थी और क्यों ?

उत्तर- वह दादी माँ को पुतों पालने, नटाओ, का आशीर्ष दे रही थी। मैंने पूछा, "क्या बात है यन्नों चाची," तो उसने विवहल होकर कहा, "उरुन हो गयी बेटा", भगवान् भला करे अपनी मालकिन का। कल ही आई थी। पीछे का सभी रुपया छोड़ दिया, ऊपर से दस रुपये का नोट देकर बोली, "देखना यन्नों, जैसे तेरी बेटा वैसी मेरी, दस-पाँच के लिए हँसाई न हो।" देवता है बेटा, देवता।"

4) दादी माँ के स्वभाव का कौन-सा पक्ष आपके सबसे अच्छा लगा लगता है और क्यों ?

उत्तर- दादी माँ के स्वभाव में अनेक पक्ष थे, जो अच्छे लगते थे, जैसे वह स्नेह भरा तथा त्याग की मूर्ति थी। वे भावुक तथा कोमल स्वभाववाली थी, पर मुझे अनेक स्वभाव का सबसे अच्छा पक्ष- दूसरों की मदद करना लगता है। समय-समय वे पैसा देकर दूसरों की मदद करती, पैसे वापस न मिलने पर डाँटती पर दयावश उसका कर्ज माफ कर पुनः उसकी मदद कर दिया करती थी।



प्र. ४) एक वाक्य में उत्तर लिखें।

१) लेखक का मन कब अनमना-सा हो गया ?  
 उत्तर- बरसात और बस बसंत देखने के बाद भी, मेरा मन सदा नहीं तो प्रायः अनमना-सा हो जाता है।

२) लेखक के मित्र और शुभचिंतक लेखक को किसकी सूचना देकर प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं ?

उत्तर- लेखक के मित्र और शुभचिंतक के लेखक को आने वाले छुट्टियों की सूचना देकर प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं।

३) दादी माँ को संसार कीसके समान मालूम होता था ?

उत्तर- दादी माँ को संसार धोके की टट्टी मालूम होता था।

४) लेखक का मन लेखक से क्या पूछ बैठता है ?

उत्तर- लेखक का मन लेखक को बार बार यह पूछ बैठता है की क्या सचमुच दादी माँ नहीं रही ?

५) लेखक की आँखों के सामने कौन-सी छाया चमक उठती है ?



उत्तर- शरद की शीत किरणों के समान स्वच्छ, शीतल किसी की लुँधली छाया नाच उठती है।

क) दादी माँ ने संदूक खोलकर चमकती हुई कौन-सी चीज़ निकाली?

उत्तर- दादी माँ ने संदूक खोलकर रज्ज चमकती सी चीज़ थाने कंठान निकाले।

ख) रामी की चाची दादी माँ के पैरों में झुंक्कर क्या बोली?

उत्तर- रामी की चाची दादी माँ के पैरों में झुंक्कर बोली की "बिटिया की शादी है। आप न क्या करेंगी, तो उस बेचारी का निस्तार कैसे होगा!"

प्र. ५) दो से तीन वाक्य में उत्तर लिखें। (HW)

ग) लेखक के बिमार होने पर दादी माँ चारपाई के पास बैठकर क्या करती थीं?

उत्तर- लेखक के बिमार होने पर दादी माँ चारपाई के पास बैठकर कभी पंखा झलतीं, कभी जलते दुर दाल-पैर कपड़े से मट्ठातीं, सर पर दालचीनी का लेप करतीं और बीसों बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं। टाँडी की दाल रज्जवम मिल तो नहीं गई? आदी प्रश्न पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देती।



प्र. ४) पाँच से छह वाक्य में उत्तर लिखों।

(HW)

१) लेखक बने क्वार के दिनों की क्या विशेषताएँ बताई हैं?

उत्तर - लेखक के गाँव में क्वार के दिनों में चारों ओर पानी ही पानी होता था। उस पानी में बहकर दूर से घासों के बीज आते थे और वह मड़ने के बाद एक विचित्र गंध आती थी। लड़के पानी में से भरे गड्डों में कुद रहे थे। हर मौसम की अपनी-अपनी विशेषताएँ होती हैं लेकिन लेखक को क्वार के दिन सबसे ज्यादा पसंद हैं।



## पाठ संग

### पढ़ने की मस्ती



1. टेबल में दिए गए पाठ के कठिन शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़िए। इनके दिए गए अर्थों को जानिए। शब्दकोश में से इनके एक-एक अन्य अर्थ भी ढूँढ़कर लिखिए।

पाठ के शब्द	अर्थ	अंग्रेजी रूपांतरण	अन्य अर्थ
अनमना	बिना इच्छा के	Absent Minded	बैचैन
प्रतिकूलता	प्रतिकूल आचरण	Hostility	विपरीत स्थिति
अगहन	हिंदी का एक महीना / हिंदू पंचांग के एक महीने का नाम	A hindu month	चैत / अश्विन या आषाढ महीना
अफ़सोस	दुःख	Regret	पछताना
कुनैन	सिनकोना वृक्ष की छाल से तैयार की गई दवा जो मलेरिया (शीतज्वर) में काम आती है।	Quinine	एक दवा / दवाई
कार	कार्य	Work	काम
परोजन	उद्देश्य	Purpose	लक्ष
निस्तार	उद्धार / पार होने का भाव	Reclamation	सफल
पुत्रोत्पत्ति	पुत्र / बेटे का पैदा होना	Birth of son	पुत्र का जन्म
दालान	बाहरी बरामदा	Hallway	आँगन
अभयदान	भय से रक्षा का वचन देना	Safe conduct	निर्भीकता प्रदान करना
वात्याचक्र	बवंडर	Tornado	घटनाक्रम
डॉवाडोल	अस्थिर	Shaky	टिलना-डुलना



पाठ के शब्द	अर्थ	अंग्रेजी स्पांतरण	अन्य अर्थ
अतुल	जिसकी तुलना न की जा सके / अपार	Matchless	अतुलनीय
पछुवा	पश्चिम दिशा से पूर्व की ओर बहने वाली हवा	Typa of air	हवा का झोंका
शापभ्रष्ट	शाप से भ्रष्ट	Accursed	शापित, शापभ्रष्ट

2. उपर्युक्त टेबल में से पाठ के किन्हीं पाँच शब्दों के प्रयोग से एक-एक वाक्य बनाकर लिखिए।

- HW
- (क) कार - मैं मैरे विद्यालय का कार हर समय पूरा करती हूँ।
- (ख) अफसोस - मैरे दोस्त को अपने कीये खरे पर अफसोस है।
- (ग) परोजन - मैरा बस परोजन यह है की मुझे रजक दिन रजक बड़ा ऑफीसर बनना है।
- (घ) अतुल - मैरा तौफा बिलकुल अतुलनीय था।
- (ङ) शापभ्रष्ट - वह लेखक को लग रहा था की उसकी दादी माँ शापभ्रष्ट थी।

3. हिंदी अखबार में से गाँव से जुड़े एक लेख को कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

4. पाठ को ध्यान से पढ़िए और पाठ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) अगहन में चिवड़ा और गुड़ न मिले, दुख नहीं।

(ख) दादी माँ को गाँवई - गाँव की पचासों किस्म की दवाओं के नाम याद थे।

(ग) विवाह की रात को अभिनय भी होता है।

(घ) पछुवा का सन्नाटा और पाले की घीत हड़्डियाँ



में घुसी पड़ती ।

(ड) मुझे दादी माँ — शापभ्रष्ट — देवी-सी लगी ।

### लिखने की कला



- निम्नलिखित हर प्रश्न का उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।
  - लेखक का मन कब अनमना-सा हो गया ? (वसंत. pg. 4)
  - लेखक के मित्र और शुभचिंतक लेखक को किसकी सूचना देकर प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं ? (वसंत. pg. 8)
  - दादी माँ को संसार किसके समान मालूम होता था ? (वसंत. pg. 8)
  - लेखक का मन लेखक से क्या पूछ बैठता है ? (वसंत. pg. 4)
  - लेखक की आँखों के सामने कौन-सी छाया चमक उठती है ? (वसंत. pg. 4)
  - दादी माँ ने संदूक खोलकर चमकती हुई कौन-सी चीज निकाली ? (वसंत. pg. 7)
  - रामी की चाची दादी माँ के पैरों में झुककर क्या बोली ? (वसंत. pg. 7)
- निम्नलिखित हर प्रश्न का उत्तर दो से तीन वाक्यों में लिखिए ।
  - 'दादी माँ' इस पाठ में लेखक ने ऐसा क्यों कहा है- 'पर न जाने ऐसे बुखार को बुलाने का जी नहीं होता !'
  - रामी की चाची ने विहवल होकर लेखक से क्या कहा ?
  - लेखक के बीमार होने पर दादी माँ चारपाई के पास बैठकर क्या करती थीं ?
  - विवाह के समय घर में कैसी चहल-पहल होती है ?
- निम्नलिखित हर प्रश्न का उत्तर पाँच से छह वाक्यों में लिखिए ।
  - लेखक ने क्वार के दिनों की क्या विशेषताएँ बताई हैं ?
  - दादी माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।



### भाषा संग

### लिखने की कला



- निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर उनके प्रकार लिखिए ।
  - यहाँ एक छोटा सांस्कृतिक सभागृह भी हुआ करता था ।

छोटा